एक गरीब विधवा ने सब परमेश्वर को दे दिया जो कुछ उसके पास था।

प्रार्थना: ''पिता, कृपया इस अध्ययन को इस्तेमाल करें जिससे बच्चों को प्रोत्साहन मिल सके कि दूसरों को खुशी खुशी देना चाहिये।

निम्नलिखित क्रिया में से कोई भी एक क्रिया बच्चे के लिए चुन ले:

लूका 21:1-4 से गरीब विधवा की कहानी को पढ़े या सुनायें

कहानी को सुनाने से पहले, बच्चों से कहें कि ध्यानपूर्वक सुनें उस प्रकार का देना जो परमेश्वर को पसन्द आता है खोज करें। **कहानी सुनाने के बाद** पूछे

- भेंट में गरीब विधवा ने क्या दिया था?
- अपने जीवन निर्वाह में से विधवा ने कितना दिया?
- विधवा की भेंट के विषय प्रभु यीशु ने क्या कहा?
- क्या धनी व्यक्ति बहुत सी बलिदान की भेंट परमेश्वर को देते हैं?
- परमेश्वर की नज़र में सबसे ज्यादा किसने दिया, स्त्री ने या धनी लोगों ने?

दो रोमी सरकार के सिक्को का चित्र बनायें या एक बक्सा जिसमें सिक्के हों, विधवा या अमीर लोग। बड़े बच्चे, छोटे बच्चो को बनाने में सहायता करें।

- समझायें कि चित्र बताता है हमें किस प्रकार परमेश्वर को देना चाहिये।
- बच्चे इस चित्र की नकल करें या अपनी बनायें।
- समझायें कि हमें हृदय से, उदारता से और खुशी खुशी देना चाहिए, जिस प्रकार विधवा ने दिया और इसलिये नहीं हमें देने का बाध्य किया जाये।
- अगली आराधना के समय बच्चे चित्र के विषय वयस्क लोगो को समझायें।

पढ़े या कहानी सुनायें न्यायियों 19:14-21 में से जहाँ एक बूढ़े मनुष्य का जो गिबा का रहने वाला था उदारता से देता था बताया गया है।

उदारता से देने वाले गिबा के रहने वाले बुढ़े मनुष्य की कहानी जो न्यायियो 19:14-21 में दी गया है, नाटक करे।

- **बड़े बच्चे** निम्नलिखित पात्रों को करें।

  वाचकः कहानी को पढ़कर दूसरे बच्चों को याद करने में सहायता करे।

  लेवीः

  बुढ़ा मनुष्यः

  जवान बच्चे निम्नलिखित पात्र बनें:

  नौकर

  नौकरानीः

  गदहेः दोनों हाथों को नीचे टेककर और पैरों (घुटनों) पर रखकर गदहों की तरह चलें।

  गिबा वासीः

वाचकः ''यह एक लेवीस पुरूष की कहानी है, जो पुराने यरूशलेम से होकर गुजर रहा था, उसका नौकर और नौकरानी उसके साथ थे।'' (पढ़े न्यायियो 19:14-21)

नौकरः ''स्वामी सूरज तो ढल गया है। अब हम और आगे नहीं जासकते।''

नौकरानीः आईये हम इस नगर में प्रवेश करते हैं और सोने के लिये जगह ढूंढते हैं ''वे एक ओर चलते हुये दरवाजा खटखटाने का नाटक करते हैं)

गिबा वासीः ''तुम क्या चाहते हो?''

लेवीयः ''कृपया हमें आज रात ठहरने की जगह दीजिये। हम यात्रा करके आ रहे हैं और आज रात बिताने के लिये जगह चाहते हैं। हम इसका दाम चुकायेगें।''

गिबा वासीः ''मैं अपने घर में यात्रियों को नहीं ठहराता। जाईये नगर के चौक पर जाकर ठहरिये।''

वाचकः ''उन्होने बहुत से घरों में पूछा लेकिन किसी ने उन्हें न ठहराया।''

लेवीयः ''आओ! हम आज खुले चौक पर ही रात बितायेंगे। चौकसी करते रहों यहाँ खतरा है।'' (वे सब थोड़ी सी दूर जाकर बैठ जाते हैं)।

बुढ़ा पुरूषः ''तुम्हारी शांति हो। आप लोग कहाँ जा रहे हैं? यहाँ तो खतरा है''।

लेवीयः ''हम लोग एप्रैम को जा रहे हैं किसी ने भी हमें अपने घर में रूकने के लिये जगह नहीं दी। लेकिन हमारे पास हमारे गदहों के लिये काफी भोजन है, और हमारे लिये कुछ रोटी और दाखमधु भी है।

बुढ़ा पुरूषः आइयें मैं आपकी जरूरतों को पूरी करूगाँ। इस खुले चौक में रात न बितायें मेरे घर आईये। मैं इन गदहों को खाने के लिये चारा दूगाँ।''

गदहेः गदहों की आवज़ निकालते हैं। (सभी चले जाते हैं)।

वाचकः ''बुढ़े पुरूष ने गदहों को खाना खिलाया यात्रियों के पाँव धोये, और उन्हें खाने के लिये रोटी और पीने के लिये दाखमधु दिया।''

जिसने भी नाटक में हमारी सहायता की है, उसका धन्यवाद। वयस्क सुनाने वालों का भी धन्यवाद।

कलीसिया के अगुवों के साथ मिलकर कार्यक्र म बनायें कि बच्चे आराधना में भाग ले सकें।

- बच्चे वयस्कों के लिये बुढ़े मनुष्य का नाटक करें।
- बच्चे वयस्कों से पूछे कि बुढ़े मनुष्य का हमारे जीवन में क्या उदाहरण हैं, जो हमने नाटक में देखा है।
- बच्चों में से कोई एक गरीब विधवा की कहानी भी सुनायें, और पृष्ठ एक पर दिये गये प्रश्न पूछे।

कविता पाठः बच्चे भजन संहिता 50:1,9,10,12 और 23 आयतों में से एक या इससे अधिक आयतों का वर्णन करें।

बच्चों से पूछें कि नाटक में हमने देने के बारे में क्या उदाहरण देखा। बच्चे उत्तर दे। *(उत्तरः बुढ़े मनुष्य ने उदारता से दिया, जिनको जानता भी नहीं था)*

बड़े बच्चे कविता गीत या छोटी कहानियाँ दूसरे को देने के विषय पर लिखें।

याद करें: लूका 6:38

प्रार्थनाः ''परमेश्वर, आपने इस संसार को अपनाया और हमें बहुत कुछ दिया। हम आपके अभारी हैं। हम गरीब विधवा के समान आपको धन्यवाद देना चाहते हैं कि हम खुशी खुशी आपको दे। हमारी सहायता कीजिये कि हम हृदय से और उदारता से दें।''